RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

नहीं मिलावट भी बुरी, अच्छी यह करतूत।
बढ़ जाती इम्यूनिटी, होता तन मजबूत।
होता तन मजबूत, बदन को घी-सी लागे।
जागें व्हाइट सेल, बिमारी डरकर भागे।
कह साहिल कविराय, इसे मत कहें गिरावट।
रोधक क्षमता बढ़े, चीज है बड़ी मिलावट।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 159 | THURSDAY DATE 02-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

अखिलेश यादव ने सरकार का किया घेराव

लखनऊ, यूटर्न/ 01 जुलाई । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने 53वें जन्मदिन पर बुधवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल की प्राथमिकता राष्ट्र नहीं, बल्कि चंदा है। उन्होंने अयोध्या स्थित राम मंदिर निर्माण से जुड़े विवाद, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था और सरकारी संस्थाओं के कथित दुरुपयोग को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार को घेरा। इस दौरान उन्होंने पार्टी को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए 'पीडीए स्वाभिमान सहयोग' अभियान शुरू करने की घोषणा भी की। सपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी जल्द ही क्यूआर कोड के माध्यम से 'पीडीए स्वाभिमान सहयोग' अभियान शुरू करेगी। इसके तहत समर्थकों से न्यूनतम 20 रुपए का सहयोग लिया जाएगा, जिससे संगठन को और मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने कहा, ह्लभाजपा की नजर नेशन पर नहीं, डोनेशन पर है। इनके लिए 'नेशन फर्स्ट' नहीं, 'डोनेशन फर्स्ट' है।ह्व उन्होंने आरोप लगाया कि आस्था और श्रद्धा से खिलवाड़ किया गया है तथा अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े मुद्दों ने पूरे देश में गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रियांक खड़गे की 'रजिस्ट्रेशन' की मांग पर विवाद के बीच 10 जुलाई से कर्नाटक में आरएसएस की बैठक

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कर्नाटक के बेलगावी में 10 से 12 जुलाई तक अपनी तीन दिवसीय प्रांत प्रचारक बैठक आयोजित करेगा। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। यह तब होगा जब हाल ही में कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे लगातार संघ से उसके पंजीकरण दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। इस सालाना संगठनात्मक बैठक में आरएसएस के टॉप लीडर और देशभर से वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। इनमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सभी प्रांत प्रचारक और अलग-अलग सहयोगी संगठनों के संगठनात्मक सचिव शामिल हैं।

दिल्ली दवा घोटाले पर आप का नया आरोप, एक्स-रे मशीनों की खरीद में 103 करोड़ के घोटाले का दावा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

दिल्ली की राजनीति में कथित ह्लदिल्ली दवा घोटालेह्व को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रेखा गुप्ता सरकार पर एक्स-रे मशीनों की खरीद में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया। उन्होंने

दावा किया कि सरकार ने 448 पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों की खरीद में करीब 103 करोड़ रुपये का घोटाला किया है। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने जिन पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों की खरीद की, उनकी बाजार कीमत लगभग 10 लाख रुपये प्रति मशीन है, लेकिन इन्हें सरकार ने करीब 33 लाख रुपये प्रति मशीन की दर से खरीदा। उनके मुताबिक, इस तरह 448 मशीनों की खरीद पर सरकार ने लगभग 148 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि इनकी वास्तविक कीमत करीब 45 करोड़ रुपये होनी चाहिए थी। उनका दावा है कि दोनों रकम के बीच का लगभग 103 करोड़ रुपये का अंतर कमीशनखोरी का परिणाम है। आप नेता ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में राजीव रंगीला नाम के व्यक्ति की अहम भूमिका रही।

दिल्ली सरकार ने अधिसूचित की नई ईवी नीति, 2030 तक स्वच्छ

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

दिल्ली सरकार ने राजधानी में स्वच्छ, आधुनिक और प्रदूषण मुक्त परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति, 2026 को अधिसूचित कर दिया है।

यह नीति 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी हो गई है और 31 मार्च, 2030 तक लागू रहेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार, नई नीति का उद्देश्य दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के साथ-साथ वायु गुणवत्ता में सुधार करना, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करना, चार्जिंग एवं बैटरी स्वैपिंग अवसंरचना का व्यापक विस्तार करना तथा इलेक्ट्रिक वाहन आधारित मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र (ईको-सिस्टम) विकसित करना है। नीति के अंतर्गत वित्तीय प्रोत्साहन, डिजिटल पारदर्शिता, संस्थागत निगरानी तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को समान महत्व दिया गया है।

नीति में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की नवीनतम रिपोर्ट का विशेष उल्लेख किया गया है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दिल्ली में विशेषकर शीतकाल के दौरान वायु प्रदूषण में लगभग 23 प्रतिशत योगदान वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का है, जो सभी स्रोतों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के कुल वाहनों में लगभग 67 प्रतिशत दोपहिया वाहन हैं, इसलिए इनके तीव्र विद्युतीकरण को वायु प्रदूषण कम करने के लिए अत्यंत आवश्यक माना गया है। इसके अतिरिक्त तिपहिया वाहन, वाणिज्यिक कारें तथा एन-1 श्रेणी के मालवाहक वाहन प्रतिदिन अधिक दूरी तय करते हैं और शहरी प्रदूषण में इनका योगदान भी अपेक्षाकृत अधिक है। इसी कारण नीति में इन श्रेणियों के वाहनों के प्राथमिकता आधारित विद्युतीकरण पर विशेष बल दिया गया है।

देश में एक साथ चुनाव होना समय की आवश्यकता : रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़े दो संशोधन विधेयकों पर अध्ययन के लिए आये संसद की संयुक्त संसदीय समिति के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव होना समय की आवश्यकता है। इससे बेहतर व्यवस्था कुछ नहीं हो सकती। पूरे देश में अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों तो देश की ऊर्जा, समय और संसाधनों की बड़ी बचत होगी। बार-बार होने वाले चुनावों के कारण प्रशासनिक व्यवस्था लंबे समय तक चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहती है। आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं और सरकारी मशीनरी का बड़ा हिस्सा चुनावी दायित्वों में लग जाता है। विशेष रूप से दिल्ली जैसे छोटे राज्य में चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगने से शिक्षा व्यवस्था सहित अनेक सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि लगातार चुनाव होने से सरकारों का कार्यकाल भी प्रभावित होता है। राष्ट्रहित में एक ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए जिससे सरकारें बिना अनावश्यक व्यवधान के पूरे मनोयोग से जनता के विकास के लिए कार्य कर सकें। दिल्ली के संदर्भ में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी का चुनावी कार्यक्रम लोकसभा चुनाव से लगभग एक वर्ष के अंतर पर होता है।

अयोध्या दान मामले में एसआईटी जांच की समय-सीमा बढ़ी

लखनऊ, यूटर्न/ 01 जुलाई । उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में हुए कथित दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा को 15 जुलाई तक बढ़ाया है। गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने अतिरिक्त समय का अनुरोध किया था, इस स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आग्रह पर गठित की गई यह एसआईटी मामले के हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करेगी, जैसा कि मुख्यमंत्री योगी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था। उन्होंने दोहराया है कि दोषी साबित होने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और पूरी सच्चाई सामने लाई जाएगी। गौरतलब है कि एसआईटी के प्रमुख सदस्य मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने गत 23 जून को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट गृह विभाग को सौंपी थी, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं।

अमरनाथ तीर्थयात्रियों को ले जा रही ट्रैवलर खड़े ट्रक से टकराई, 4 की मौत, 8 घायल

बठिंडा, यूटर्न/ 01 जुलाई । पंजाब के बठिंडा जिले में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को एम्स में भर्ती कराया है। अधिकारियों ने बताया कि हादसा बठिंडा-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ जहां यात्रियों की गाड़ी एक ट्रक से टकराई। सभी श्रद्धालु एक ट्रैवलर गाड़ी में सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैवलर गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के कारण अफरातफरी मच गई। हाईवे पर जाम की स्थिति पैदा हुई। हालांकि, घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने हालातों को संभाला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सेवा संस्था के वर्कर ने बताया कि कंट्रोल रूम में सूचना मिली कि बठिंडा के जोधपुर रोमाना और गुरुसर सानेवाला के बीच एक हादसा हुआ है। जब मौके पर पहुंचे, तो देखा कि एक ट्रैवलर खड़े ट्रेलर से टकरा गई थी।

असम बना सोने की तस्करी का नया गलियारा

गुवाहाटी, यूटर्न/ 01 जुलाई । पूर्वोत्तर भारत में सोने की तस्करी का बड़ा नेटवर्क लगातार सक्रिय होता जा रहा है। म्यांमार और थाईलैंड से असम के रास्ते देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध रूप से सोना पहुंचाया जा रहा है। हाल ही में गुवाहाटी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 37 किलोग्राम सोना बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 76 करोड़ रुपये बताई गई है। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उससे पूछताछ के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच तेज कर दी गई है।

सीएम रेखा गुप्ता ने संभावित अनियमितता पर तुरंत जांच के आदेश दिए : हर्ष मल्होत्रा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने 650 करोड़ रुपये के कथित घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के आरोपों पर पलटवार किया।

उन्होंने बुधवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि दिल्ली सरकार के इतिहास में शायद पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी मुख्यमंत्री ने संभावित अनियमितता का संज्ञान लेते हुए स्वयं एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) से जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सवाल किया कि अब तक किस मुख्यमंत्री ने ऐसा कदम उठाया है?

हर्ष मल्होत्रा ने पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भी निशाना साधते हुए दावा किया कि पिछले 10 वर्षों के दौरान सत्ता में रही सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौरान भ्रष्टाचार के मामलों में किसी तरह की

सख्ती नहीं बरती गई, जबकि मौजूदा सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन अपने निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार कार्य करता है। उनके अनुसार, भाजपा की सरकार केंद्र और दिल्ली, दोनों स्तरों पर भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाए हुए है और इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

दिल्ली हाई कोर्ट में राघव चड्ढा की बड़ी जीत, मानहानिकारक सामग्री हटाने का आदेश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को निशाना बनाने वाली कुछ मानहानिकारक सोशल मीडिया पोस्ट्स हटाने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक व्यंग्य और आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं, लेकिन 'अपमानजनक और भद्दी' सामग्री को हानिरहित हास्य कहकर संरक्षित नहीं किया जा सकता।

अंतरिम आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद की एकल-न्यायाधीश पीठ ने प्रतिवादी संख्या 2 और 4, मध्यस्थ प्लेटफॉर्मों, को दो सप्ताह के भीतर निर्दिष्ट यूआरएल हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्हें इसी अवधि के भीतर चड्ढा को पोस्ट से जुड़े खातों की बेसिक सब्सक्राइबर इनफार्मेशन (बीएसआई) और आईपी लॉग उपलब्ध कराने को कहा। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि दस्तावेज संख्या 2, 8, 9, 11, 25 और 40 में आपत्तिजनक सामग्री है, जो अश्लील और भद्दी प्रकृति की है और हानिरहित व्यंग्यपूर्ण हास्य की श्रेणी से बाहर है। इसीलिए, उचित यही होगा कि प्रतिवादी संख्या 1 को ऐसी सामग्री प्रकाशित करने से रोका जाए। साथ ही प्रतिवादी संख्या 2 और 4 को इन विशिष्ट दस्तावेजों से जुड़े यूआरएल हटाने का निर्देश दिया जाए। हालांकि, न्यायमूर्ति प्रसाद की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनौती दी गई शेष सामग्री को हटाने का निर्देश देने से इनकार कर दिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में शामिल हुए रामवीर सिंह बिधूड़ी, मतदाताओं से सहयोग की अपील

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में हिस्सा लेते हुए अपना गणना प्रपत्र जमा किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के सभी मतदाताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी करने और अधिकारियों का सहयोग करने की अपील की।

दिल्ली में मंगलवार से शुरू हुए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत दक्षिण-पूर्व जिले के जिलाधिकारी श्रवण बागड़िया अपनी

टीम के साथ जाकिर हुसैन मार्ग स्थित बिधूड़ी के सरकारी आवास पहुंचे। वहां बिधूड़ी ने गणना प्रपत्र भरकर अधिकारियों को सौंपा। उन्होंने कहा कि प्रपत्र भरने की प्रक्रिया बेहद सरल रही।

बिधूड़ी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे समय पर अपना गणना प्रपत्र भरकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को सौंपें, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की भागीदारी आवश्यक है। लोगों को अपने वोट के महत्व को समझते हुए इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और मतदाता सूची के शुद्धिकरण में सहयोग देना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

किशोर की हत्या का एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरे की तलाश में तीन टीमें

लोनी, यूटर्न/ 01 जुलाई । बॉर्डर थाना क्षेत्र में बाइक टकराने के विवाद में 17 वर्षीय जैद की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने नामजद मुख्य आरोपी राहुल को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीमें दबिश दे रही हैं। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में शव को मुस्तफाबाद कॉलोनी के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया। मुस्तफाबाद कॉलोनी निवासी शौकत का बेटा जैद सोमवार दोपहर दोस्त नदीम व इब्राहिम के साथ स्विमिंग पूल से नहाकर बाइक से लौट रहा था। बेहटा हाजीपुर नहर रोड पर उसकी बाइक सामने से आ रही कार से टकरा गई। आरोप है कि कार सवार दो युवकों ने मौके पर जैद को पीटा, फिर कार में अगवा कर अपने ऑफिस ले गए। वहां दोबारा पिटाई की गई। जैद के दोस्त पीछा करते हुए ऑफिस पहुंचे तो वह फर्श पर बेहोश पड़ा था। परिजनों का आरोप है कि बेहोशी की हालत में भी आरोपी राहुल ने जैद को कई लात मारीं और धमकाकर साथियों से उसे ले जाने को कहा। दोस्त जैद को घर और फिर जीटीबी अस्पताल ले गए, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दो अवैध हुक्काबार में छापा, 10 लोग गिरफ्तार, संचालक भागे

कौशांबी, यूटर्न/ 01 जुलाई ।थानाक्षेत्र स्थित ऐंजल मॉल में संचालित द पब्लिक हाउस क्लब और द ब्लू क्लब में मंगलवार को पुलिस की टीम ने छापा मारा। इस दौरान वहां अवैध हुक्काबार संचालित होते मिले। दोनों ही स्थानों से पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों में कुछ लोग उत्तराखंड व मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। वहीं दोनों के संचालक रिहान खान आलम और प्रवीण पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की है।

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों क्लब में लंबे समय से अवैध हुक्का बार संचालित होने की शिकायत मिल रही थी। मंगलवार को जब टीम पहुंची तब शिकायत पुष्ट हुई। बताया कि द पब्लिक हाउस क्लब से पुलिस ने गाजियाबाद के कोतवाली थानाक्षेत्र स्थित दिल्ली गेट निवासी रितिक, उत्तराखंड के नैनीताल स्थित खनस्यू थानाक्षेत्र के गांव गोनियारो निवासी भरत सिंह, काठगोदाम के स्योड़ी गांव के कौशल और मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित भगवा निवासी विशाल को गिरफ्तार किया।

हरियाणा खेत मजदूर युनियन ने 'वीजी ग्राम जी' प्रतियां जलाकर जताया, विरोध

» **निर्मल सिंह विर्क**

पानीपत, यूटर्न/ 01 जुलाई ।जिले के नामोंडा, टिटाना, हडताडी, सुताना, लोहारी, अलूपुर, अटावला, दरियापुर, उरलाना खुर्द, धक्का बस्ती मडलोडाआदि गांवों की मजदूर बस्तियों में भारतीय खेत मजदूर यूनियन (बी के एम यू) के कार्यकताओं ने बी जी ग्राम जी की प्रतियां जला कर विरोध प्रकट किया। इस अवसर पर बीकेएमयू के प्रदेश उपाध्यक्ष कामरेड दरियाव सिंह कश्यप, जिला प्रधान सुलतान सिंह उरलाना, जिला सचिव भूपेंद्र कश्यप, यूनियन के जिला कानूनी सलाहकार कामरेड पवन कुमार सैनी ने वी बी ग्राम जी और मनरेगा के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि सरकार मनरेगा की जगह वी बी ग्राम जी को लाकर ग्रामीण मजदूरों को काम के अधिकार से वंचित करना चाहती है। इस अवसर पर जय भगवान दरियापुर, ओम प्रकाश नामोंडा, नंदलाल, धनपत सुताना कृष्ण लाल लोहारी, भान सिंह आदि उपस्थित रहे। विदित हो कि खेत मजदूरों के राष्ट्रीय संगठनों, नरेगा बचाओ मोर्चा ने पहली जुलाई को भाजपा सरकार द्वारा बनाए गए विकसित भारत गारंटी फोर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वी बी ग्राम जी) के विरुद्ध आक्रोश प्रकट करते हुए इस जनविरोधी अधिनियम की प्रतियां जलाने का आहवान किया गया था।

खेत मजदूर नेताओं ने वी बी ग्राम जी को वापस लेने, मनरेगा को बहाल करने, साल में 200 दिन काम और 700 रुपए प्रतिदिन मजदूरी देने और हाजरी के लिए डिजीटलाईजेशन का प्रयोग बंद करने आदि मांगों को उठाया।

जोहड़ के किनारे गुजर बसर करने वाले गरीब लोगों के हकों ले लिए उठी , आवाज

गरीब लोगों के पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से हस्तक्षेप करने की मांग

» **पानीपत, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

गांव ददलाना निवासी सामाजिक कार्यकर्ता दीपक शर्मा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग , भारत सरकार नई दिल्ली को पत्र भेजकर हरियाणा में जोहड़ों के किनारे गुजर बसर करने वाले लाखों गरीब परिवारों के हकों के लिए आवाज उठाई है।

दीपक शर्मा ने गुहार में वर्णित किया है कि राज्य के लाखों गरीब परिवार

- दीपक शर्मा का कहना है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से हरियाणा सरकार से इस पूरे मामले में रिपोर्ट तलब करने, बेदखली पर रोक लगाने और गरीब परिवारों के पुनर्वास के लिए ठोस नीति बनाने के निर्देश जारी करने की अपील की है।

हरियाणा के अनेक गांवों में बसते हैं । जिसमें अलग-अलग श्रेणी लोग रहते हैं, जैसे मजदूर, दलित, दिव्यांग, विधवा, वरिष्ठ नागरिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवार पिछले 30 से 60 वर्षों से जोहड़ों के किनारे रह रहे हैं। इन परिवारों ने अपनी मेहनत से छोटे-छोटे मकान बनाकर जीवन बसाया है, लेकिन अब सरकार उन्हें बेदखल करने का काम कर रही है। या किए जाने की आशंका बनी हुई है।

बिना वैकल्पिक पुनर्वास के किसी भी गरीब परिवार को बेघर न किया जाए। साथ ही लंबे समय से बसे पात्र परिवारों के लिए नियमितीकरण, पुनर्वास या वैकल्पिक आवास की नीति बनाई जाए, ताकि किसी भी गरीब परिवार के सम्मानपूर्वक जीवन जीने का हक मिल सके । और मानव अधिकारों का हनन भी न हो।

यदि राज्य सरकार पुनर्वास के बिना इन परिवारों को हटाया जाता है , तो यह संविधान प्रदत्त जीवन, आवास और मानव गरिमा के अधिकार का गंभीर उल्लंघन होगा। विशेष रूप से दलित, दिव्यांग, विधवा, वरिष्ठ नागरिक और बेसहारा परिवारों के हितों की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

दीपक शर्मा का कहना है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से हरियाणा सरकार से इस पूरे मामले में रिपोर्ट तलब करने, बेदखली पर रोक लगाने और गरीब परिवारों के पुनर्वास के लिए ठोस नीति बनाने के निर्देश जारी करने की अपील की है। क्योंकि यह मामला मानवाधिकारों और गरीब परिवारों के पुनर्वास से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे से जुड़ा हुआ है । और गरीब लोगों का आवास उपलब्ध करवाना भी सरकार की ज़िम्मेदारी बनती है । ऐसे में लोगों को बेघर करना न्याय संगत नहीं होगा।

लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन बने भारतीय सेना के नए उप प्रमुख

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई**

भारतीय सेना में शीर्ष नेतृत्व स्तर पर एक महत्वपूर्ण बदलाव के तहत लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, सेना के उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ) नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने 1 जुलाई को नई दिल्ली में अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

बता दें कि लगभग चार दशक लंबे सैन्य करियर में लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने विभिन्न चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में कमान संभालते हुए नेतृत्व, संचालन और रणनीतिक योजना के क्षेत्र में व्यापक अनुभव अर्जित किया है। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं। लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन को जून 1988 में महार रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त हुआ था। कमीशन हासिल कर वह भारतीय सेना में शामिल हुए थे। अपने लंबे सैन्य जीवन में उन्होंने कमांड, स्टाफ और परिचालन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने अर्ध-रेगिस्तानी क्षेत्र में एक पैदल सेना बटालियन की कमान संभाली और दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के दौरान भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। इसके अलावा, उन्होंने स्ट्राइक कोर के अंतर्गत एक इन्फैंट्री ब्रिगेड, आतंकवाद-रोधी बल तथा उत्तरी कमान में एक पिवट कोर का नेतृत्व किया। उनके सैन्य अनुभव में श्रीलंका में संचालित ऑपरेशन पवन में भागीदारी भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र अभियानों में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है।

उन्होंने इथियोपिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में कार्य किया तथा दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के एक सेक्टर की कमान भी संभाली।

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, छह एडीसीपी/एसीपी अधिकारियों के तबादले

- पुलिस कमिश्नरेट द्वारा किए गए इस प्रशासनिक फेरबदल को आगामी समय में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा विभिन्न शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

» **नोएडा, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी तथा सुचारु बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त कार्यालय ने छह पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, विभिन्न इकाइयों में तैनात एडीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। माना जा रहा है कि यह फेरबदल कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और प्रशासनिक कार्यों को अधिक बेहतर ढंग से संचालित करने की रणनीति का हिस्सा है। जारी आदेश के अनुसार, राजेंद्र कुमार गौतम (पीपीएस), जो वर्तमान में प्रभारी पुलिस उपायुक्त लाइन्स, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध, आंकिक एवं मॉनिटरिंग सेल का कार्य देख रहे हैं, उन्हें अपने मौजूदा दायित्वों के साथ-साथ अग्रिम आदेशों तक सहायक पुलिस आयुक्त (आंकिक) के कार्यों का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। इससे अब उनके पास अपराध, मॉनिटरिंग और आंकिक शाखा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां एक साथ होंगी।

इसी क्रम में राजीव कुमार सिसौदिया (पीपीएस), जो अब तक पुलिस आयुक्त के स्टाफ ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे, उनका स्थानांतरण सहायक पुलिस आयुक्त चतुर्थ, ग्रेटर नोएडा के पद पर किया गया है। वहीं, डॉ. रवि शंकर (पीपीएस), जो सहायक पुलिस आयुक्त यातायात नोएडा एवं सेंट्रल नोएडा के पद पर तैनात थे, उन्हें अब सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय, ग्रेटर नोएडा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर पवन कुमार (पीपीएस) को नियुक्त किया गया है। पवन कुमार अब तक सहायक पुलिस आयुक्त यातायात ग्रेटर नोएडा के साथ-साथ मुख्यालय एवं आंकिक शाखा का दायित्व संभाल रहे थे।

नई तैनाती के बाद वे नोएडा और सेंट्रल नोएडा के यातायात की कमान संभालेंगे। इसके अलावा, मयंक तिवारी (पीपीएस) को सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय, नोएडा बनाया गया है। वहीं, शकील मोहम्मद (पीपीएस), जो वर्तमान में पुलिस लाइंस में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं, उन्हें अपने मौजूदा दायित्वों के साथ-साथ सहायक पुलिस आयुक्त यातायात ग्रेटर नोएडा का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा किए गए इस प्रशासनिक फेरबदल को आगामी समय में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा विभिन्न शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुभव और कार्यकुशलता को ध्यान में रखते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पुलिस प्रशासन और मॉनिटरिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

नवनियुक्त हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त से मिले बृजलाल बहबलपुरिया , नई जिम्मेदारी के लिए दी शुभकामनाएं

» हरियाणा, यूटर्न/ 01 जुलाई ।

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण), हिसार के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में हरियाणा कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी श्री संजय दत्त से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर बृजलाल बहबलपुरिया ने विश्वास व्यक्त किया कि संजय दत्त के संगठनात्मक अनुभव एवं कुशल नेतृत्व में हरियाणा कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा कार्यकताओं को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन में कांग्रेस की विचारधारा, संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों पर पार्टी का संघर्ष और अधिक प्रभावी होगा। मुलाकात के दौरान हरियाणा में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय करने तथा आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई। बृजलाल बहबलपुरिया ने प्रदेश प्रभारी को हरियाणा आगमन के लिए शुभकामनाएं देते हुए पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया।

पंजाब के काला टीबा में हुआ नायक समाज का सम्मेलन

पंजाब में नायक समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने की उठी मांग....

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 01 जुलाई । पंजाब के काला टिब्बा में नायक समाज का सम्मेलन हुआ । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर श्री सुंदरलाल गांवरी जी दिल्ली से थे ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री नत्थू राम (प्रदेश अध्यक्ष, पंजाब) ने की गरिमामयी उपस्थिति कंचन नायक, सुशील नायक गंगानगर, सोहन लाल नायक रायसिंहनगर,रघुवीर नायक राजस्थान, रत्नलाल राजस्थान पहुंचे हरियाणा से इन्द्रजीत शेखावत जी, योगेन्द्र नायक, सुखदेव नायक पहुंचे इस कार्यक्रम में मंच का संचालन हजारीलाल व गुरमीत पटियाला ने किया । कार्यक्रम के आरंभ में सन्त लाधूनाथ जी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किए` उसके बाद नायक समाज के विभिन्न प्रदेशों से आए हुए नायक समाज के वशिष्ठ अतिथियों का मान सम्मान किया गया ।

अपने संबोधन में नायक समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि आज पंजाब में नायक समाज काफी संख्या में है.

पंजाब में नायक समाज ओबीसी में शामिल हैं पंजाब के लोग आज भी मजदूरी यापन करते है,इसी कारण आज उनको अनुसूचित जाति का दर्जा दिया जाए .

अपने संबोधन में प्रतिनिधियों ने बताया कि आने वाले समय मे पंजाब नायक समाज के लोग ब्लॉक स्तर,जिला स्तर,प्रदेश स्तर पर ज्ञापन दिया जाएगा .

नायक समाज के लोंगो ने ये भी बताया कि जो भी पार्टी नायक समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने का काम करेगा,नायक समाज उसी पार्टी का समर्थन करेगा ।

अपने संबोधन में अजित मानसा ने बताया कि अब समय आ गया है कि पंजाब में नायक समाज को एकजुट हो जाना चाहिए ।इसके बाद रत्न नायक ने बताया कि समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने के बाद नायक समाज मे शिक्षा का महत्व पर जोर दिया ।

इसके बाद कंचन नायक राजस्थान ने बताया समाज मे मृत्यु भोज जैसे अनावश्यक खर्च जैसी कुरीति दूर होनी चाहिए । अपने संबोधन में सोहनलाल नायक राजस्थान ने बताया कि हमे अपने महापुरषों की जयंती मनानी चाहिऐ उनके नक्शे कदम पर चलकर ही समाज का उद्धार हो सकता है ।

अपने संबोधन में इंद्रजीत शेखावत ने बताया कि हरियाणा में नायक समाज अनुसूचित जाति में शामिल हुआ है । हरियाणा के नायक समाज के लोगो ने जो सँघर्ष किया है उनको मेरा नमन है। उन्होने इस सफल कार्यक्रम के लिए काला टिब्बा की आयोजन कमेटी सदस्य राजेन्द्र,जयमल सिंह (महासचिव पंजाब), पवन रायपुरा, पवनजीत, विक्रमजीत, प्रेम कुमार, कालूराम, अजयपाल, संदीप कुमार, मंगीलाल, सुनीता ठाकुर, अंगूरी देवी का धन्यवाद दिया .

अमृत सरोवर प्लस योजना से हरियाणा को विकसित , समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने का खुल रहा है मार्ग : श्याम सिंह राणा

- कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने 6 करोड़ 18 लाख 33 हजार रुपए से तैयार विभिन्न गांवों के 15 तालाबों का किया उद्घाटन
- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऑनलाइन प्रणाली से किया सरपंचों और अधिकारियों को संबोधित

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 01 जुलाई । हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि अमृत सरोवर प्लस योजना से विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर हरियाणा बनाने का मार्ग खुल रहा है। इस देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में गांवों की अहम भूमिका है और गांव का विकास तालाबों, खेल, खलियानों और पर्यावरण के साथ संभव है। सरकार इन तालाबों को बनाने का कार्य कर सकती है और जीवंत रखने के लिए नागरिकों के सहयोग की जरूरत है। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा बुधवार को नये लघु सचिवालय के सभागार में विकास एवं पंचायत विभाग की तरफ से अमृत सरोवर प्लस योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा, हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन सुभाष कलसाना, उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच, चेयरमैन रविंद्र सांगवान, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश सैनी ने 6 करोड़ 18 लाख 33 हजार रुपए से तैयार विभिन्न गांवों के 15 तालाबों का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऑनलाइन प्रणाली से सरपंचों व अधिकारियों को संबोधित किया।

कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि देश में भाग्यशाली व धनवान लोग अपने ख्याति को प्रदर्शित करने के लिए कुआं या तालाब खुदवाते थे। उन जगहों पर मानव, पशु, पक्षी पानी पीते थे और घर के अन्य काम भी तालाबों के पानी से किए जाते थे। उन्होंने कहा कि ताबालों का अमृत सरोवर प्लस योजना के तहत किए जाने वाले सुधार केवल विकास कार्य नहीं है, बल्कि जल व पर्यावरण का संरक्षण है। जल व पर्यावरण हमारी बहुमूल्य धरोहर हैं, जो प्रदेश के बढ़ते कदमों का प्रमाण है।

लायंस क्लब बरवाला सिटी के पूर्व प्रधान सोहन लाल चोपड़ा उर्फ (सोनू चोपड़ा)बने जोन चेयरमैन

» हरियाणा, यूटर्न/ 01 जुलाई ।

लायंस क्लब बरवाला सिटी के लिए गर्व का विषय है कि क्लब के पूर्व प्रधान सोहन लाल चोपड़ा को लायंस क्लब्स इंटरनेशनल का जोन चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से क्लब के सदस्यों और क्षेत्र के सामाजिक कार्यकताओं में हर्ष का माहौल है।

सोहन लाल चोपड़ा लंबे समय से सामाजिक सेवा, जनकल्याण एवं मानवीय कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।लायंस क्लब के विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए उन्होंने संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उनकी नियुक्ति पर लायंस क्लब बरवाला सिटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में जोन स्तर पर सेवा कार्यों को नई गति मिलेगी तथा संगठन की गतिविधियां और अधिक प्रभावी होंगी।

इस अवसर पर सोहन लाल चोपड़ा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा सेवा, सहयोग और मानवता के मूल मंत्र को आगे बढ़ाने का निरंतर प्रयास करेंगे।

नवनियुक्त हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त से मिले बृजलाल बहबलपुरिया , नई जिम्मेदारी के लिए दी शुभकामनाएं

» हरियाणा, यूटर्न/ 01 जुलाई ।

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण), हिसार के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में हरियाणा कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी श्री संजय दत्त से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर बृजलाल बहबलपुरिया ने विश्वास व्यक्त किया कि संजय दत्त के संगठनात्मक अनुभव एवं कुशल नेतृत्व में हरियाणा कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा कार्यकताओं को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन में कांग्रेस की विचारधारा, संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों पर पार्टी का संघर्ष और अधिक प्रभावी होगा।

मुलाकात के दौरान हरियाणा में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय करने तथा आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई। बृजलाल बहबलपुरिया ने प्रदेश प्रभारी को हरियाणा आगमन के लिए शुभकामनाएं देते हुए पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया।

15वें वित्त आयोग की स्वास्थ्य अनुदान राशि का समयबद्ध और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करें विभाग: उपायुक्त

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 01 जुलाई । जिला सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में बुधवार को उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग के स्वास्थ्य अनुदान के तहत शहरी क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के प्रभावी संचालन एवं अनुदान राशि के उपयोग को लेकर जिला स्तरीय समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी), स्वास्थ्य विभाग, जिला परिषद, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

- जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में नगर निगम, एचएसवीपी, स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों को दिए स्पष्ट दिशा-निर्देश

उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि 15वें वित्त आयोग से प्राप्त स्वास्थ्य अनुदान का उद्देश्य केवल बजट खर्च करना नहीं, बल्कि शहरी क्षेत्र के प्रत्येक जरूरतमंद नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर पूरी क्षमता के साथ संचालित हो और सरकार की मंशा के अनुरूप नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही और निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी, लापरवाही अथवा प्रक्रियागत बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी।

सभी विभाग नियमित समीक्षा करते हुए कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करें तथा यदि किसी प्रकार की प्रशासनिक अथवा तकनीकी समस्या सामने आती है तो उसका समाधान तत्काल समन्वय के माध्यम से किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर शहरी गरीब एवं वंचित वर्ग के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

मंत्रियों से हो रहे सवाल; लेकिन प्रधानमंत्री इस दायरे से बाहर हैं

संदीप शर्मा

लगभग एक दशक तक, अर्नब गोस्वामी और भारत के ज्यादातर टेलीविजन न्यूज इकोसिस्टम पर एक ही आलोचना लगातार होती रही: कि उन्होंने सत्ता में बैठे लोगों से मुश्किल सवाल पूछना बंद कर दिया था। प्राइम-टाइम डिबेट में कभी तीखे सवाल पूछने वाली पत्रकारिता की जगह धीरे-धीरे एक ऐसी शैली ने ले ली, जो सरकार की आलोचना करने के बजाय उसका बचाव करने में ज्यादा दिलचस्पी लेती थी। अब ऐसा नहीं है। लेकिन मीडिया से बीजेपी शासित राज्यों के मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों से सवाल पूछने के लिए कौन कह रहा है? मीडिया दबाव में क्यों नहीं झुक रहा? अजीब है, है ना? या फिर क्या इस बार मीडिया को ऐसा ही रुख अपनाने के लिए कहा गया है? इसीलिए हालिया बदलाव पर ध्यान न देना मुश्किल है। कुछ ही हफ़्तों में, रिपब्लिक टीवी ने नीट विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तीखे सवाल पूछे हैं, प्रशासनिक खामियों को लेकर मध्य प्रदेश सरकार से जवाब-तलब किया है, अयोध्या मामले के प्रबंधन पर असहज करने वाले सवाल उठाए हैं, और बीजेपी शासित सरकारों की उन नाकामियों को उजागर करने की इच्छा दिखाई है, जिनका पहले शायद ही कभी ज़िक्र होता था। कई दर्शकों को यह 'वॉचडॉग पत्रकारिता' (सत्ता पर नजर रखने वाली पत्रकारिता) में जबरदस्त वापसी जैसा लगता है। लेकिन क्या वाकई ऐसा है? यह पैटर्न बहुत कुछ बताता है। सवाल बीजेपी से पूछे जा रहे हैं। इनका निशाना मंत्री, मुख्यमंत्री, नौकरशाही और पार्टी पदाधिकारी हैं। फिर भी, एक व्यक्ति लगभग पूरी तरह से इस दायरे से बाहर है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। संसदीय लोकतंत्र में सरकारें सामूहिक ज़िम्मेदारी के सिद्धांत पर काम करती हैं। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र रूप से काम नहीं करते; वे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नीतियां लागू करते हैं। राज्य सरकारों को भी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से राजनीतिक वैधता मिलती है। अगर शासन में खामियां सिस्टम से जुड़ी हैं, तो जवाबदेही हमेशा शीर्ष स्तर से एक पायदान नीचे ही नहीं रुक सकती। फिर भी, मीडिया में उभरती हुई कहानी बहुत सोच-समझकर तैयार की गई लगती है। नाकामियों को माना तो जाता है, लेकिन उन्हें अक्सर मोदी सरकार की नाकामियों के बजाय उनके आस-पास के लोगों की नाकामियां बताया जाता है। इसके पीछे एक और वजह हो सकती है। आज बीजेपी वैसी अजेय राजनीतिक मशीन नहीं रही, जैसी 2019 के बाद दिखती थी। 2024 के लोकसभा चुनावों ने दिखा दिया कि चुनावी हार भी संभव है। क्षेत्रीय नेता अपनी बात मजबूती से रख रहे हैं। शासन से जुड़े मुद्दों परीक्षाओं और महंगाई से लेकर बेरोजगारी और स्थानीय प्रशासन तक को अब लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जो मीडिया इकोसिस्टम हर नाकामी को नजरअंदाज करता है, वह उन दर्शकों का भरोसा खोने का जोखिम उठाता है जो इन समस्याओं को खुद झेलते हैं। आखिरकार, टेलीविजन का काम दर्शकों के भरोसे और राजनीतिक नजदीकी, दोनों से चलता है। इसलिए, मंत्रियों से सवाल पूछने के दो मकसद पूरे होते हैं: इससे जवाबदेही की मांग करने वाले दर्शकों को संतुष्टि मिलती है और साथ ही पार्टी के सबसे बड़े नेता से सीधे टकराव से भी बचा जा सकता है। क्या यह सचमुच संपादकीय आजादी है, यह तभी साफ होगा जब सवाल जवाबदेही की सीढ़ी के आखिरी पायदान तक पहुँचेंगे। क्या प्रधानमंत्री कार्यालय में लिए गए फैसलों पर भी उतनी ही सख्ती से सवाल उठाए जाएँगे? क्या सिर्फ.लागू करने के तरीके के बजाय, खुद मुख्य नीतियों की भी बारीकी से जाँच-पड़ताल की जाएगी? क्या इंटरव्यू, सोच-समझकर की गई बातचीत के बजाय तीखे सवालों और पड़ताल का जरिया बनेंगे? असली परीक्षा तो यही है।

खतरे की घंटी दस्तक दे रही है कितने तैयार है हम?

वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं?

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी दोहरे भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस भीषण आपदा के कारण अब तक 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 68,900 लोग लापता हैं। राजधानी कराकस और तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही हुई है।इस त्रासदी ने न केवल वेनेजुएला, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों को आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को लेकर कई महत्वपूर्ण सबक दिए है। वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं? यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ क्षण जीवन और मृत्यु के बीच काफी अंतर बना सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए। आपको पता है कि हमारे देश में भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है।इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में लगातार आ रहे छोटे भूकंपों का मुख्य कारण भारतीय टेक्टोनिक प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टकराना और उत्तर की ओर खिसकना लगभग 49 मिलीमीटर प्रति वर्ष है।इसके कारण हिमालयी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जमीन के भीतर लगातार दबाव और तनाव बनता रहता है, जो छोटे-छोटे झटकों के रूप में समय-समय पर बाहर निकलता है।भारत में क्यों बढ़ रही है भूकंप की आवृत्ति? भारत जिस भू-भाग पर स्थित है, वह लगातार उत्तर दिशा की ओर यूरेशियन प्लेट से टकरा रहा है। यह प्रक्रिया हिमालय के निर्माण का कारण भी है और इसी के दबाव से जमीन के अंदर भ्रंश (फॉल्ट लाइन) सक्रिय रहते हैं।भारत की लगभग 59% भूमि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इसमें पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और गुजरात का कच्छ इलाका जोन-श सबसे खतरनाक में आता है।गहरे झटके और दूरगामी प्रभावः अक्सर उत्तर भारत जैसे दिल्ली-एनसीआर में महसूस होने वाले झटकों का केंद्र अफगानिस्तान (हिंदूकुश क्षेत्र) होता है। अधिक गहराई में होने के कारण ये झटके दूर तक महसूस होते हैं लेकिन तीव्रता कम होने से आमतौर पर बड़ा नुकसान नहीं होता।

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। ...

संतुलित कूटनीति से उभरता भारत का वैश्विक नेतृत्व

ललित गर्ग

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित, स्वतंत्र और दूरदर्शी सोच रही है। विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य, महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय संघर्षों और वैश्विक अस्थिरताओं के दौर में भारत ने जिस परिपक्वता और विवेक का परिचय दिया है, उसने उसे विश्व मंच पर एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के निधन के उपरांत उनके अंतिम संस्कार में भारत की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजने का निर्णय भी इसी संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति का परिचायक है। यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, सभ्यतागत एवं रणनीतिक संबंधों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा तथा बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का तेहरान जाना यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल सामरिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के आधार पर भी देखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके, क्योंकि उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम थे, किंतु भारत की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने यह संदेश अवश्य दिया कि भारत अपने मित्र देशों के सुख-दुःख में सहभागी बनने की परंपरा का निर्वाह करता है।

वास्तव में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की रही है। आज भारत के अमेरिका, रूस, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोप, जापान और आसियान देशों के साथ मजबूत रणनीतिक एवं आर्थिक संबंध हैं। दूसरी ओर ईरान के साथ भी उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ अत्यधिक निकटता दूसरे पक्ष के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकती है। किंतु भारत ने सदैव यह सिद्ध किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करता है। ईरान से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया भी अत्यंत संतुलित रही। भारत ने ईरानी दूतावास जाकर शोक संवेदना व्यक्त की, किंतु किसी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय आरोप-प्रत्यारोप में स्वयं को शामिल नहीं किया। भारत ने न तो अमेरिका की आलोचना की और न ही इजरायल के विरुद्ध कोई आक्रामक टिप्पणी की। यह वही कूटनीतिक परिपक्वता है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति में एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति का मूल आधार 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' रहा है। इसी कारण भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि वह देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक था। साथ ही भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत बनाए रखा। यह संतुलन साधना आसान नहीं था, किंतु भारत ने इसे सफलतापूर्वक निभाया। यही कारण है कि आज भारत को किसी गुट विशेष का सदस्य नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वैशिक शक्ति के रूप में देखा जाता है। भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई, साहित्यिक और व्यापारिक संबंधों का समृद्ध इतिहास रहा है। फारसी भाषा और संस्कृति का भारतीय सभ्यता पर गहरा प्रभाव रहा है। मुगल काल से लेकर आधुनिक युग तक दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान निरंतर चलता रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी ईरान भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भारत लंबे समय तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति ईरान से करता रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बजाज पल्सर ने फिर हासिल किया बिक्री की दौड़ में पहला स्थान

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई । एक बार फिर बजाज पल्सर ने बिक्री की दौड़ में पहला स्थान हासिल किया है। बजाज पल्सर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 1,24,270 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल की इसी अवधि की 1,22,151 यूनिट्स की तुलना में 1.73 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दशार्ती है। बिक्री सूची में दूसरे नंबर पर बजाज चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर ने अपनी जगह बनाई। चेतक ने 50.26 प्रतिशत की प्रभावशाली सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 38,376 यूनिट्स की बिक्री की, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता का प्रमाण है। तीसरे स्थान पर बजाज प्लेटिना रही, हालांकि इसे 5.20 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ कुल 26,467 नए ग्राहक मिले। चौथे पायदान पर बजाज सीटी रही, जिसने 14.80 प्रतिशत की सालाना गिरावट के साथ 3,074 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की।

रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 फिर शीर्ष स्थान पर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई । भारतीय दो पहिया वाहन बाजार में मई 2026 में 350सीसी से 450सीसी बाइक सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 ने एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। युवाओं के बीच इस सेगमेंट की बाइक्स का क्रेज लगातार बढ़ रहा है और क्लासिक 350 उनकी पहली पसंद बनी हुई है। इस देसी बाइक को 34,594 ग्राहकों ने खरीदा, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 20.84 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दशार्ता है। रॉयल एनफील्ड का जलवा केवल क्लासिक 350 तक ही सीमित नहीं है। बिक्री की इस सूची में दूसरे स्थान पर रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 रही, जिसने 23,372 यूनिट्स की बिक्री के साथ 35.26 प्रतिशत की मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज की।

भारत में इलेक्ट्रिक कारों की रफ्तार तेज, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में पैसेंजर ईवी रजिस्ट्रेशन 90 प्रतिशत बढ़ा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई**

भारत में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों (ईवी) की मांग तेजी से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) लगभग 90 प्रतिशत बढ़कर 82,737 यूनिट्स पर पहुंच गया। यह जानकारी वाहन पोर्टल के रजिस्ट्रेशन आंकड़ों से सामने आई है।

पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 43,710 यूनिट्स के मुकाबले पंजीकरण में बढ़ोतरी हुई है, और उद्योग के अधिकारियों का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की कम परिचालन लागत (रनिंग कॉस्ट) ने उपभोक्ताओं को बैटरी चालित वाहनों की ओर आकर्षित किया।

पूरी तिमाही के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार मजबूत रही। अप्रैल में 24,963 यूनिट, मई में 27,320 यूनिट और जून में यह बढ़कर 30,454 यूनिट तक पहुंच गई। इस दौरान टाटा मोटर्स ने 32,283 इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन पंजीकृत किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 15,794 यूनिट की तुलना में 104 प्रतिशत अधिक हैं।

जून में कंपनी की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री 63,083 यूनिट रही, जो पिछले साल जून के 37,237 यूनिट के मुकाबले 69 प्रतिशत अधिक है।

वहीं, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में टाटा मोटर्स की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री 46 प्रतिशत बढ़कर 1,82,574 यूनिट हो गई।

जून में कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री 14,800 यूनिट रही, जबकि पिछले साल जून में यह 5,228 यूनिट थी। इस तरह जून में ईवी बिक्री दोगुने से भी अधिक बढ़ी।

व्हाट्सऐप के नए यूजरनेम फीचर पर सरकार सख्त, जल्द भेजा जा सकता है नोटिस

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप के आगामी यूजरनेम फीचर के संभावित दुरुपयोग को लेकर केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। सरकार इस फीचर को लेकर गंभीर चिंताएं जता रही है और इसी के मद्देनजर जल्द ही व्हाट्सऐप को नोटिस भेजा जा सकता है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार को आशंका है कि टेलीग्राम की तरह व्हाट्सऐप का यह नया फीचर भी फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने या गलत जानकारी फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी वजह से सरकार ने इस प्रस्तावित फीचर पर नाराजगी जताई है और इसे लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सूत्रों का कहना है कि यदि किसी नए फीचर के कारण धोखाधड़ी या साइबर अपराध की आशंका बढ़ती है, तो संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को भी उसकी जवाबदेही तय करनी होगी। सरकार का मानना है कि व्हाट्सऐप जैसे प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके उत्पादों का इस्तेमाल किसी की पहचान की नकल (इम्पसोर्नेशन) या भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए न हो।

दरअसल, व्हाट्सऐप जल्द ही ऐसा फीचर शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना सिर्फ यूजरनेम के जरिए परिवार, दोस्तों या व्यवसायों से संपर्क कर सकेंगे।

> गौरतलब है कि टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पहले से ही उपयोगकर्ताओं को मोबाइल नंबर छिपाकर केवल यूजरनेम के माध्यम से बातचीत करने की सुविधा देते हैं।

व्हाट्सऐप के मुताबिक, उपयोगकर्ता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह एक यूनिक यूजरनेम चुन सकेंगे। मेटा ने कहा है कि इस फीचर का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के मोबाइल नंबर की गोपनीयता की रक्षा करना है। कंपनी के अनुसार, किसी व्यक्ति से संपर्क करने के लिए दूसरे उपयोगकर्ता को उसका सटीक यूजरनेम पता होना जरूरी होगा।

हालांकि, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह सुविधा गोपनीयता बढ़ाने के साथ-साथ फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे जोखिम भी बढ़ा सकती है। उनका मानना है कि भारत जैसे बड़े डिजिटल बाजार में करोड़ों उपयोगकताओं की सुरक्षा के लिए मजबूत एंटी-अब्यूज सिस्टम और प्रभावी सुरक्षा उपाय अनिवार्य होंगे।

गौरतलब है कि टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पहले से ही उपयोगकर्ताओं को मोबाइल नंबर छिपाकर केवल यूजरनेम के माध्यम से बातचीत करने की सुविधा देते हैं।

वहीं, भारत के मौजूदा कानूनों के तहत व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर अकाउंट का एक सत्यापित मोबाइल नंबर से जुड़ा होना आवश्यक है। टेलीकॉम साइबर सिक्योरिटी रूल्स, 2024 के तहत दूरसंचार विभाग (डीओटी) डिजिटल धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए सिम-बाइंडिंग संबंधी सख्त प्रावधान लागू करता है।

इस बीच, उद्यमी अंकुर वारिकू ने भी इस फीचर को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि व्हाट्सऐप ने प्रभावी एंटी-अब्यूज सिस्टम नहीं बनाया, तो भारत जैसे देश में किसी प्रसिद्ध व्यक्ति या प्रतिष्ठित कंपनी से मिलते-जुलते फर्जी यूजरनेम बनाकर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की जा सकती है।

जीएसटी संग्रह जून में 13.9 प्रतिशत बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई । सकल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह जुलाई में सालाना आधार पर 13.9 प्रतिशत बढ़कर 1,94,812 करोड़ रुपए हो गया है। यह पिछले साल समान अवधि में 1,71,105 करोड़ रुपए पर था। यह जानकारी सरकार की ओर से बुधवार को जारी डेटा में दी गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, कुल सकल जीएसटी में सीजीएसटी (सेंट्रल जीएसटी) की हिस्सेदारी 37,376 करोड़ रुपए, एसजीएसटी (स्टेट जीएसटी) की हिस्सेदारी 45,116 करोड़ रुपए और आईजीएसटी (इंटीग्रेटिड जीएसटी) की हिस्सेदारी 1,12,320 करोड़ रुपए रही है। इसमें आयात जीएसटी से प्राप्त 60,038 करोड़ रुपए भी शामिल है। जून में जीएसटी रिफंड 32,436 करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 25,121 करोड़ रुपए था। इसमें सालाना आधार पर 29.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिफंड को हटाकर जून में शुद्ध जीएसटी संग्रह 1,62,377 करोड़ रुपए रहा है, जो कि जून 2025 में 1,45,984 करोड़ रुपए था। इसमें सालाना आधार पर 11.2 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सकल जीएसटी संग्रह 6,31,699 करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5,82,542 करोड़ रुपए था। इसमें सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए और डीजल में 3 रुपए की कटौती का किया ऐलान

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

देश की सबसे बड़ी निजी ईंधन वितरक कंपनी नायरा एनर्जी ने बुधवार को पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3 रुपए रुपए प्रति लीटर की कटौती का ऐलान किया है। यह कटौती कंपनी के देशभर में मौजूद रिटेल नेटवर्क पर तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

इस कटौती की वजह मध्य पूर्व में तनाव कम होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट होना है। हालांकि, वैल्यू-एडेड टैक्स (वेट) और स्थानीय टैक्स के चलते रिटेल ईंधन की कीमतें राज्य-दर-राज्य अलग-अलग हो सकती हैं। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध को लेकर शांति वार्ता होने से मध्य पूर्व क्षेत्र में तनाव कम हो गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी गई है। ब्रेंट क्रूड का दाम पिछले एक महीने में करीब 23 प्रतिशत कम हो गया है, मौजूदा समय में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 73.21 डॉलर प्रति बैरल पर है।

वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में भी बीते एक महीने में करीब 25 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखी गई है। इससे डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स का दाम घटकर 70 डॉलर प्रति बैरल के नीचे 69.73 डॉलर प्रति बैरल पर गया है। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दिल्ली में पेट्रोल का दाम 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.20 रुपए प्रति लीटर बनी हुई है।

इसके अतिरिक्त, तेल वितरक कंपनियों ने एक जुलाई से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का दाम 183.50 रुपए घटकर 2,930 रुपए हो गया है, जो कि पहले 3,113.50 रुपए था।

एलपीजी से लेकर पासपोर्ट तक एक जुलाई से हुए ये बदलाव

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

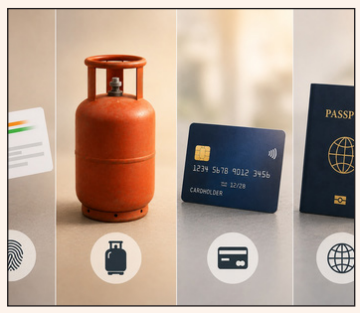

जून के समाप्त होने के साथ ही नया महीना शुरू हो गया है। हर महीने की शुरूआत में कुछ न कुछ बदलाव होते हैं। ऐसे में बुधवार से आधार, पासपोर्ट, गाड़ियों की कीमतों से लेकर एलपीजी में बड़ा बदलाव हुआ है, जिनका असर आपकी जेब पर सीधा असर पड़ेगा।

तेल वितरक कंपनियों ने एक जुलाई से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का दाम 183.50 रुपए घटकर 2,930 रुपए हो गया है, जो कि पहले 3,113.50 रुपए था। हालांकि, 14 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और उसे 942 रुपए पर स्थिर रखा गया है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने ऐलान किया है कि अगर आप अपने आधार में ईमेल आईटी अपडेट करना चाहते हैं तो एक जुलाई-31 दिसंबर तक निशुल्क कर सकते हैं। इससे पहले आधार में ईमेल अपडेट करने के लिए 75 रुपए देने होते थे।

इस कदम के जरिए आधार का संचालन करने वाली संस्था यूआईडीएआई की ओर से लोगों को आधार में लेटेस्ट जानकारी अपडेट करने के लिए प्रेरित करना है।

सरकार की ओर से पासपोर्ट बनाने की फीस को बढ़ा दिया गया है। अब सामान्य पासपोर्ट को बनवाने के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए देने होंगे। वहीं, तत्काल पासपोर्ट को बनवाने के लिए 5,000 रुपए देने होंगे, जो फीस पहले 3,500 रुपए थी। यह नई फीस 1 जुलाई से लागू हो गई है।

कई वाहन कंपनियों द्वारा कीमतों में की गई बढ़ोतरी एक जुलाई से लागू हो रही है। इनमें टाटा मोटर्स, किआ मोटर्स, एमजी मोटर्स और बीएमडब्ल्यू का नाम शामिल है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल (पीवी) ने अपने वाहनों की कीमतों को 1.5 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। वहीं, टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल (सीवी) ने कीमतों में 2.5 प्रतिशत तक का इजाफा किया है। इसके अलावा किआ मोटर्स और बीएमडब्ल्यू ने कीमतों में 2-2 प्रतिशत और एमजी मोटर्स ने 3 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 183.50 रुपए की कटौती, कारोबारियों को मिली राहत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई । देशभर में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हाल ही में हुई 183.50 रुपए की कटौती से होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यापारियों को राहत मिली है। कीमतों में इस कमी के बाद कारोबारियों ने सरकार के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि कई लोगों का कहना है कि बाजार में दामों का उतार-चढ़ाव लगातार चिंता का कारण बना हुआ है। दिल्ली के कई दुकानदारों और रेस्टोरेंट संचालकों ने बताया कि पहले बढ़ती कीमतों के कारण उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था और इसका सीधा असर उनके कारोबार और ग्राहकों पर पड़ रहा था। एक दुकानदार ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि जब सिलेंडर के दाम बढ़ते हैं तो उन्हें मजबूरी में खाने-पीने की चीजों के दाम भी बढ़ाने पड़ते हैं, जिससे ग्राहक कम हो जाते हैं। अब कीमतों में कमी आने से उन्हें थोड़ी राहत जरूर मिली है और वे अपने उत्पादों को अपेक्षाकृत सस्ते दामों पर बेच पाएंगे। चाय की दुकान चलाने वाले एक व्यापारी राजू ने कहा कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है। कभी एक महीने में कीमतें बढ़ जाती हैं तो अगले महीने घट जाती हैं। उन्होंने कहा कि यह अस्थिरता छोटे कारोबारियों के लिए चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उन्हें हर महीने अपनी लागत के हिसाब से दाम बदलने पड़ते हैं।

संक्षिप्त खबरें

ब्यूटी पार्लर ने डाली रिश्ते में दरार, पति-पत्नी में बढ़ी तकरार

गाजियाबाद, यूटर्न/ 01 जुलाई। वैवाहिक जीवन में रोजगार को लेकर मतभेद एक दंपती के रिश्ते में दरार की वजह बन गया। विजयनगर क्षेत्र के एक दंपती के बीच पत्नी के ब्यूटी पार्लर संचालन को लेकर शुरू हुआ विवाद अदालत तक पहुंच गया है। पति जहां पत्नी से पार्लर बंद करने की मांग कर रहा है, वहीं पत्नी ने अपने रोजगार से समझौता करने से साफ इन्कार कर दिया है। मध्यस्थता केंद्र में समझौते की कोशिश भी सफल नहीं हो सकी और अब मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी। मामला लोनी क्षेत्र की रहने वाली एक महिला और विजयनगर निवासी उसके पति से जुड़ा है। दोनों की शादी करीब पांच वर्ष पहले हुई थी। शुरूआत में दोनों का वैवाहिक जीवन सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन समय के साथ पत्नी के ब्यूटी पार्लर संचालन को लेकर मतभेद शुरू हो गए।

पत्नी के अनुसार, ब्यूटी पार्लर उसकी आय का साधन है। इसे वह किसी भी परिस्थिति में बंद नहीं करना चाहती। पति को पत्नी का यह काम पसंद नहीं है और वह लगातार पार्लर बंद करने की मांग कर रहा था। इसी मुद्दे पर घरेलू कलह की स्थिति बन गई। विवाद बढ़ने पर महिला ने ससुराल छोड़ दिया और मायके में रहने लगी। बाद में उसने पति के खिलाफ उत्पीड़न का मामला अदालत में दायर किया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने समझौते की संभावना तलाशने के लिए मामले को मध्यस्थता केंद्र भेजा।

फ्लैट में नशे का कारोबार, सिंथेटिक नशीला पदार्थ और गांजा बरामद

गाजियाबाद, यूटर्न/ 01 जुलाई। ओडिशा से नशे का सामान तस्करी कर इंदिरापुरम के शक्तिखंड में छिपाकर रखने और राजनगर एक्सटेंशन की पॉम रिसोर्ट सोसायटी में रहने वाले तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से एमडीएमए (सिंथेटिक नशीला पदार्थ), चरस और 10.21 किलो गांजा के अलावा पांच लाख रुपये नकद, कार, 16 मोबाइल फोन, कई सिम कार्ड, बैंक कार्ड के साथ-साथ पैकिंग करने वाले इलेक्ट्रिक उपकरण बरामद किए हैं। पकड़े गए मादक पदार्थ की कीमत 1.42 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि एएनटीएफ को सूचना मिली कि कार से मादक पदार्थों की खेप आने वाली है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और नंदग्राम थाना पुलिस ने राजनगर एक्सटेंशन में आसना चौक पर घेराबंदी कर कार सवार को पकड़ लिया।

उत्तम नगर में विजय सेल्स शोरूम धू-धू कर जला, लाखों रुपये का सामान जलकर खाक

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई। दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में एक शोरूम में भीषण आग लग गई, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग की लपटों और काले धुएं के गुबार ने आसमान को ढक लिया। आग लगने से स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नजफगढ़ रोड पर विजय सेल्स की बिल्डिंग में आग लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा शोरूम धू-धूकर जलने लगा। आसमान में काला धुआं छा गया, जिससे आसपास का इलाका पूरी तरह से प्रभावित हुआ। आग लगने से स्थानीय निवासियों में अफरातफरी मच गई।

घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी फौरन घटनास्थल पर पहुंच गए।

दमकलकर्मी को आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल, किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हालांकि, शोरूम में रखे लाखों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक व अन्य सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

दिल्ली फायर सर्विस के डिविजनल फायर अधिकारी राजेंद्र अटवाल ने कहा, 'आग कैसे लगी ये जांच का विषय है। हमारे पास ये सूचना 04.15 बजे आई थी। यह इलेक्ट्रॉनिकल सामान का शोरूम है जिसमें आग लगी है। 15 गाड़ियां मौके पर हैं। आग बुझा ली गई है और कूलिंग ऑपरेशन जारी है। अभी तक कोई हताहत की खबर नहीं है।'

दमकल विभाग के अनुसार, उत्तम नगर स्थित मेट्रो पिलर संख्या 663 के पास बने विजय सेल्स शोरूम में आग लगी थी। शुरूआती चरण में तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया, लेकिन आग की गंभीरता को देखते हुए कुल 15 दमकल वाहनों को मौके पर लगाया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, आग पर सुबह करीब 6:30 बजे पूरी तरह काबू पा लिया गया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने कूलिंग ऑपरेशन जारी रखा, जो सुबह तक चलता रहा। करीब 350 वर्ग गज क्षेत्र में बने बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और तीन मंजिला भवन में आग लगी थी।

आग से इलेक्ट्रॉनिक सामान, विद्युत उपकरण, फर्नीचर और अन्य सामान जल गए। दमकल विभाग के अधिकारी के मुताबिक घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच की जा रही है।

स्पा में मसाज नहीं, देह व्यापार: नकली ग्राहक बनाकर भेजा, पुलिस की रेड में हुआ बड़ा खुलासा; संचालक दबोचा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 जुलाई।**

दिल्ली के पहाड़गंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे देह व्यापार के रैकेट का पदार्फाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने रैकेट के संचालक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जबकि मौके से चार महिलाओं को रेस्क्यू किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से नकदी और आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है। पुलिस को 30 जून 2026 को एक गुप्त सूचना मिली थी, जिसमें बताया गया था कि पंचकुइयां रोड स्थित प्रॉपर्टी नंबर-15 की दूसरी मंजिल पर संचालित एक स्पा सेंटर में स्पा सेवाओं की आड़ में अनैतिक देह व्यापार का धंधा चल रहा है। इस सूचना की सत्यता की पुष्टि करने और कार्रवाई के लिए पुलिस ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया।

टीम ने अपनी योजना के तहत, एक पुलिसकर्मी को नकली ग्राहक बनाकर उस स्पा सेंटर में भेजा। आरोप है कि स्पा संचालक ने नकली ग्राहक से पैसे लिए और वहां मौजूद एक महिला को उसके साथ कमरे में भेज दिया।

जैसे ही तय संकेत मिला, पुलिस टीम ने तुरंत स्पा सेंटर पर छापा मारा और मौके से संचालक को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अजय मल्होत्रा (39) के रूप में हुई है, जो मुल्तानी ढांडा, नबी करीम, दिल्ली का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, अजय मल्होत्रा ही इस स्पा सेंटर का मालिक और प्रबंधक है और वह स्पा की आड़ में अवैध धंधा चला रहा था। पुलिस ने इस कार्रवाई में मौके से चार महिलाओं को भी रेस्क्यू किया है।

इसके अलावा, पुलिस ने घटनास्थल से नकदी और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है, जो इस रैकेट के संचालन से जुड़े सबूत हो सकते हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी अजय मल्होत्रा से पूछताछ कर रही है ताकि इस रैकेट के अन्य सदस्यों और इसमें शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। साथ ही, रेस्क्यू की गई महिलाओं को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

बिना ओटीपी भेजे दो लोगों के खाते से निकले 1.05 लाख रुपये

साहिबाबाद, यूटर्न/ 01 जुलाई। बिना ओटीपी भेजे मोबाइल फोन हैक करके दो युवकों के बैंक खाते से साइबर ठगों ने 1.05 लाख रुपये निकाल लिए। ठगी इंदिरापुरम के वसुंधरा सेक्टर 13 निवासी राकेश कुमार शर्मा और साहिबाबाद के शहीद नगर निवासी अरमान से अप्रैल माह में हुई। ऑनलाइन हुई शिकायत थाने में ट्रांसफर होने के बाद 30 जून को दोनों थानों की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। वसुंधरा सेक्टर 13 निवासी राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि 26 अप्रैल को उनके बेटे राहुल शर्मा के बैंक खाते से अचानक 95,000 रुपये निकाल लिए गए। इस भुगतान से पहले बैंक की तरफ से न तो कोई मैसेज आया और न ही ओटीपी। रुपये कटने का मैसेज देख उन्हें साइबर ठगी का पता चला।

घर के पास शराब पीने का विरोध करने पर किया लहूलुहान

गाजियाबाद, यूटर्न/ 01 जुलाई। विजयनगर क्षेत्र में घर के पास शराब पीने का विरोध करने पर तीन लोगों ने मिलकर एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपियों ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। मामले में विजयनगर सेक्टर नौ निवासी आदर्श शर्मा ने नितिन, विवेक और उनके साथी प्रिंस के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसीपी नगर कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि पीड़ित आदर्श शर्मा के मुताबिक 27 जून की रात करीब पौने दस बजे वह अपनी दुकान बंद कराने के लिए सेक्टर-12 स्थित माता कॉलोनी जा रहे थे। संजीवनी अस्पताल के सामने रास्ते में नितिन, विवेक और उनका एक साथी प्रिंस मिल गए। आरोप है कि तीनों ने रंजिशन उन्हें रोक लिया और गालियां देने लगे। इसके बाद लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने सिर, कमर और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह लहूलुहान हो गए। आदर्श शर्मा का कहना है कि आरोपी अक्सर उनके घर के पास बैठकर शराब पीते थे।

समारोह के बाद सड़क पर छोड़ी गंदगी को निगम ने आयोजक से कराया साफ

गाजियाबाद, यूटर्न/ 01 जुलाई। शहर की स्वच्छता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ बुधवार को नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की। राजनगर (आरडीसी) में एक समारोह के बाद सड़क पर गंदगी छोड़ना आयोजकों को भारी पड़ गया। निगम की टीम ने न सिर्फ आयोजक पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया, बल्कि मौके पर ही उनसे ही सफाई भी कराई। इस दौरान आयोजक को निगम के सफाई मित्रों के साथ खुद झाड़ू लगानी पड़ी।

ट्रांसफार्मर से लगी आग मोबिल ऑयल गोदाम तक पहुंची, 5 वाहन व ऑटो जला

» **खोड़ा, यूटर्न/ 01 जुलाई।**

आदर्श नगर के शिव मंदिर वाली गली स्थित ट्रांसफार्मर में 29 जून की रात अचानक आग लग गई। लपटों ने पास स्थित मोबिल ऑयल के गोदाम को भी चपेट में ले लिया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन 5 वाहन और एक ऑटो रिक्शा जलकर राख हो गए, वहीं बिजली लाइन आग की चपेट में आने पर आसपास के सभी मकानों को खाली कराया गया। करीब एक घंटे में दमकल की टीम ने आग बुझाकर कूलिंग का काम किया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि देर रात खोड़ा स्थित विश्वनाथ कॉलोनी में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की टीम जब

मौके पर पहुंची तब पता चला कि घटना आदर्श नगर की शिव मंदिर वाली गली में स्थित कर्दम चौराहे पर हुई थी। बताया कि बिजली ट्रांसफार्मर से शुरू हुई आग पास में ही स्थित मोबिल ऑयल गोदाम तक पहुंच चुकी थी। इसके साथ ट्रांसफॉर्मर से लोगों के घरों तक जा रही बिजली के तारों को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया था। आग की लपटें घरों की तरफ बढ़ता देख लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गली इतनी संकरी थी कि दमकल के वाहन मौके तक पहुंच ही नहीं पाए।

करीब 700 मीटर दूर वाटर टेंडर खड़े कर हौज पाइप बिछाए गए। इसके बाद आग बुझाने का काम शुरू किया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को घरों से बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर भेजा। करीब एक घंटे में आग पर दमकल की टीम काबू पा सकी। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि आबादी के बीच मोबिल ऑयल का गोदाम संचालित करने की जांच शुरू की गई है। संचालक से संबंधित दस्तावेज भी मांगे गए हैं। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लगातार बिजली कटौती से लोग हो रहे परेशान

गाजियाबाद, यूटर्न/ 01 जुलाई। 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा करने वाला ऊर्जा निगम इस समय अपने ही दावों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। शहर के कई इलाकों में लगातार ट्रिपिंग ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। हर घंटे पांच से सात मिनट के लिए बिजली गुल होने की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे खराब स्थिति जोन दो और तीन में है।

शहर के पटेल नगर, कैला भट्ठा, नेहरूनगर, अशोक नगर, घंटाघट, विजयनगर, लाल कुआं, सुदामापुरी, नंदग्राम, साहिबाबाद, मोहननगर, इंदिरापुरम समेत कई इलाकों में फॉल्ट के नाम पर कई-कई घंटे बिजली गुल हो जा रही है। लोगों का आरोप है कि इसको लेकर शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

ऊर्जा निगम के अधिकारियों को फोन मिलाने पर वह फोन भी नहीं उठा रहे हैं। कैला भट्ठा निवासी राकेश कुमार का कहना है कि बिजली तो आ रही है, लेकिन वोल्टेज इतना कम है कि पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। लोगों का आरोप है कि बिजली की समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है। इस संदर्भ में जोन एक के मुख्य अभियंता पवन अग्रवाल ने बताया कि उपकरणों में खराबी आने पर ही शटडाउन लिया जाता है। इसके अलावा किसी प्रकार की कोई बिजली कटौती नहीं हो रही है।

सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बातः दीया मिर्जा

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अभिनेता सनी देओल के साथ काम करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अभिनेता के साथ काम करना, उनके करियर के लिए सौभाग्य की बात है। फिल्म 'इक्का' में दीया मिर्जा और सनी देओल साथ दिखाई देंगे। 'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए दीया ने कहा कि वह हमेशा से देओल परिवार की प्रशंसक रही हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने की वजह बताते हुए दीया ने कहा, 'जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह बहुत दिलचस्प, मानवीय और दमदार लगी। इसमें किरदारों को बहुत अनोखे, दिलचस्प और आकर्षक ढंग से दिखाया गया है, इसलिए मुझे हां कहना ही पड़ा। सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात है और मैं इसे लेकर बहुत खुश थी।' उन्होंने अपने को-स्टार्स तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की। दीया मिर्जा ने कहा कि मैं हमेशा से देओल परिवार की दयालुता, उदारता और जमीन से जुड़े रहने की तारीफ करती रही हूं। सनी देओल बिल्कुल वैसे ही हैं जैसा मैंने सोचा था, बल्कि उससे भी बेहतर। मैंने टीजर लॉन्च के समय भी यह बात कही थी।

नॉर्वे की पहली फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट जीत पर हालैंड ने कहा, अब सब कुछ है बोनस

» आर्लिंगटन, यूटर्न/ 01 जुलाई ।

फीफा विश्व कप में नॉर्वे को इतिहास की पहली नॉकआउट जीत दिलाने के बाद स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड बेहद खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि 28 वर्षों बाद विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने और ग्रुप चरण से आगे बढ़ने के बाद अब टीम के लिए आगे मिलने वाली हर सफलता 'बोनस' के समान है। एरलिंग हालैंड ने फीफा विश्व कप में अपने गोल करने का सिलसिला जारी रखते हुए अंतिम क्षणों में निर्णायक गोल दागा, जिससे नॉर्वे ने कोट डी आइवर को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ नॉर्वे ने 1998 के बाद पहली बार विश्व कप के अंतिम 16 (राउंड ऑफ 16) में जगह बनाई। हालैंड ने कहा, 'यह इतिहास है और इसका अहसास अविश्वसनीय है। हमने 28 साल बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया।

फीफा विश्व कप : मेक्सिको ने इक्वाडोर को हराया, 1986 के बाद नॉकआउट में पहली जीत दर्ज की

» मैक्सिको सिटी, यूटर्न/ 01 जुलाई ।

मैक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ-16) में शानदार अंदाज में प्रवेश कर लिया। सह-मेजबान टीम ने बुधवार को मैक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इक्वाडोर को 2-0 से हराया। जूलियन क्विनोनेस और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ मैक्सिको ने 40 साल बाद विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत दर्ज की।

यह 1986 के बाद मैक्सिको का पहला विश्व कप नॉकआउट मुकाबला था। खास बात यह रही कि उस साल भी मैक्सिको मेजबान था और उसने बुल्गारिया को 2-0 से हराकर जीत हासिल की थी। अब 2026 में भी टीम ने उसी स्कोर से जीत दर्ज कर इतिहास दोहरा दिया। इसके अलावा, मैक्सिको 1990 में इटली के बाद पहला मेजबान देश बन गया है जिसने विश्व कप के अपने शुरूआती चारों मैच जीते हैं।

खराब मौसम के कारण मुकाबला एक घंटे देरी से शुरू हुआ, लेकिन इसका असर मैक्सिको के खेल पर बिल्कुल नहीं दिखा। शुरूआत से ही टीम ने आक्रामक रुख अपनाया। दूसरे हाफ में इक्वाडोर ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा, लेकिन मैक्सिको की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उसे कोई मौका नहीं दिया। टीम ने लगातार चौथे मैच में भी एक भी गोल नहीं खाया।

मैक्सिको ने पहले 15 मिनट में ही कई अच्छे मौके बनाए। गिलबर्टो मोरा, लुइस रोमो, राउल जिमेनेज और मोरा गोल कर सकते थे। वहीं, 18वें मिनट में इक्वाडोर के जॉन येबोआ का शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया। इसके चार मिनट बाद जूलियन क्विनोनेस ने जोरदार शॉट लगाकर मैक्सिको को 1-0 की बढ़त दिला दी।

मोरा (17 साल और 259 दिन) पेले के बाद वर्ल्ड कप नॉकआउट-स्टेज मैच शुरू करने वाले दूसरे 17 साल के खिलाड़ी और दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। पेले 1958 में वेल्स के खिलाफ ब्राजील के लिए खेलते समय 17 साल और 239 दिन के थे। रॉबर्टो अल्वाराडो ने शानदार पास देकर क्विनोनेस को मौका बनाया। क्विनोनेस अपने ही हाफ से दौड़ते हुए आगे बढ़े और पेनल्टी बॉक्स के अंदर से जोरदार शॉट लगाकर इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गालिंडेज को कोई मौका नहीं दिया। पहला गोल करने के बाद क्विनोनेस यहीं नहीं रुके। पहले हाफ के आधे घंटे के बाद उन्होंने शानदार पास देकर राउल जिमेनेज से दूसरा गोल भी करवाया। दूसरी ओर, सीजर मोंटेस और जोहान वास्केज ने रक्षा पंक्ति को मजबूती से संभाला और कॉर्नर पर हेडर से गोल करने के करीब भी पहुंचे। गोलकीपर राउल रेंगल ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल की।

YouTube पर नंबर-1 बनी रकुल प्रीत की फिल्म

अभिनेत्री हुई भावुक

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने शुक्रिया अदा किया क्योंकि उनकी 2017 की तेलुगु रोमांटिक एक्शन फिल्म जया जानकी नायक YouTube पर सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली इंडियन फिल्म बन गई।

अपने लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट में, रकुल ने बताया कि जानकी उनके लिए उन किरदारों में से एक होगी जो हमेशा उनके साथ रहेगी।

पोस्ट में लिखा था, कुछ किरदार हमेशा आपके साथ रहते हैं, और जानकी हमेशा उनमें से एक रहेगी। आपने जो प्यार दिखाया है और जया जानकी नायक को YouTube पर अब तक की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली इंडियन

फिल्म बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह एक खास कामयाबी है।

दे दे प्यार दे1 एक्ट्रेस ने डायरेक्टर बोयापति श्रीनु को भी खास तौर पर धन्यवाद देते हुए कहा, इस यादगार सफर के लिए @boyapatisrinu_official सर और पूरी टीम को खास धन्यवाद।

बोयापति श्रीनु के डायरेक्शन में बनी जया जानकी नायक1 को द्वारका क्रिएशन्स के बैनर तले मिरयाला रविंदर रेड्डी ने सपोर्ट किया है। कास्ट की बात करें तो, बेलमकोंडा श्रीनिवास और रकुल की लीडिंग कास्ट में जगपति बाबू, तरुण अरोड़ा, प्रज्ञा जायसवाल, सरथ कुमार, नंदू, सुमन, जयप्रकाश और वाणी विश्वनाथ भी अहम रोल में हैं।

फिल्म का म्यूजिक मशहूर कंपोजर देवी श्री प्रसाद ने दिया है। टेक्निकल कास्ट में सिनेमैटोग्राफर के तौर पर ऋषि पंजाबी और एडिटिंग डिपार्टमेंट के हेड कोटागिरी वेंकटेश्वर राव शामिल हैं।

जया जानकी नायक1 11 अगस्त 2017 को सिनेमाघरों में आई थी।

इसके बाद, रकुल को नितेश तिवारी की मोस्ट-एंटीसिपेटेड माइथोलॉजिकल ड्रामा रामायण में सूर्पनखा का रोल करने के लिए चुना गया है।

इस मोस्ट-अवेटेड प्रोजेक्ट में रणबीर कपूर भगवान राम, साईं पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में होंगे।

नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी रामायण1 को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो और VFX स्टूडियो DNEG ने यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर बनाया है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी पहले से अधिक महत्वपूर्ण : साने ताकाइची

» **टोक्यो, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

भारत रवाना होने से पहले आयोजित एक प्रेस वार्ता में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत के साथ सहयोग का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देश साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और रणनीतिक हितों के आधार पर मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। जापानी कैबिनेट के जनसंपर्क अधिकारी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी दी। पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा,'अंतरराष्ट्रीय स्थिति में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच, भारत के साथ सहयोग का महत्व पहले से कहीं अधिक हो गया है। भारत और जापान मौलिक मूल्यों तथा रणनीतिक हितों को साझा करते हैं और यही हमारी साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत है।'

उन्होंने बताया कि इस यात्रा में जापान के कारोबारी

जगत के 150 से अधिक प्रतिनिधि भी शामिल हो रहे हैं। उनका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) के सहयोग के माध्यम से भारत-जापान संबंधों का दायरा और व्यापक बनाना है।

जापानी प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि निवेश, व्यापार, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

ताकाइची ने विश्वास जताया कि भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक, रणनीतिक और औद्योगिक सहयोग को नई गति मिलेगी तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की संयुक्त भागीदारी के जरिए एक मजबूत और टिकाऊ आर्थिक साझेदारी का निर्माण होगा।

जापान की प्रधानमंत्री बुधवार को तीन दिन के दौरे पर भारत आ रही हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा होगा। उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग उच्च स्तरीय वार्ता भी प्रस्तावित है। दोनों नेता 16वें भारत-जापान सलाना शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरान व्यापार, निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमोबाइल, सप्लाई चेन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो ने बजट नियम पर महासभा के फैसले का किया स्वागत

संयुक्त राष्ट्र, यूटर्न/ 01 जुलाई । संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महासभा की ओर से अप्रयुक्त बजटीय धनराशि से जुड़े वित्तीय नियमों में बदलाव के फैसले का स्वागत किया है। गुटेरेस ने एक बयान में कहा, 'मैं महासभा के उस फैसले का स्वागत करता हूं, जिसमें उन वित्तीय नियमों में सुधार किया गया है, जिनसे संगठन की स्थिरता पर खतरा मंडरा रहा था। महासभा ने मतदान के जरिए चार साल के परीक्षण काल के लिए एक नया तरीका अपनाने पर सहमति जताई है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि बिना खर्च हुए फंड (अप्रयुक्त धनराशि) सदस्य देशों को तभी लौटाए जाएं, जब उसके लिए वास्तविक नकद राशि उपलब्ध होगी।'

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक वित्तीय नियम के तहत संयुक्त राष्ट्र को हर बजट अवधि के आखिरी में अप्रयुक्त बजटीय आवंटन को सदस्य देशों को क्रेडिट के रूप में लौटाना पड़ता है, जिसमें बकाया राशि भी शामिल है। मंगलवार को महासभा के फैसले से इस नियम में बदलाव किया गया है। गुटेरेस ने कहा, 'इस फैसले से हम संसाधनों, खासकर नियमित और शांति-रक्षा बजट के लिए अधिक अनुमानित और जिम्मेदार तरीके से प्रबंधन कर पाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान: पेशावर में ड्रोन हमला, महिला की मौत और छह घायल

पेशावर, यूटर्न/ 01 जुलाई । पाकिस्तान के पेशावर के बाहरी इलाके में संदिग्ध ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई जबकि एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए। घटना मंगलवार देर रात को हसन खेल सब-डिवीजन के पस्तावाना इलाके की है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। डॉन ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि, घायल सातों लोग एक ही परिवार से थे। शुरूआती जानकारी में बताया गया था कि एक महिला की हालत बेहद गंभीर थी। बाद में स्थानीय लोगों ने बताया कि शेर मस्त और उनका 15 वर्षीय बेटा अब भी पेशावर के लेडी रीडिंग अस्पताल में उपचाराधीन हैं, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हसन खेल के एक स्थानीय बुजुर्ग ने पुष्टि की कि शेर मस्त की बहू ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ड्रोन हमला किसने किया और इसका उद्देश्य क्या था। सुरक्षा एजेंसियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

इटली ने 2027 के लिए यूक्रेन को नाटो की सैन्य सहायता पैकेज पर लगाई रोक

रोम, यूटर्न/ 01 जुलाई । तुर्की में होने वाले आगामी नाटो शिखर सम्मेलन से पहले सदस्य देशों के बीच 2027 के लिए यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता पर सहमति नहीं बन सकी है। सूत्रों के अनुसार, इटली ने प्रस्तावित वित्तीय पैकेज का विरोध किया, जबकि अमेरिका ने यूक्रेन और यूरोप की सुरक्षा के संबंध में भाषा में नरमी बरती है। सूत्रों के मुताबिक, इटली के विरोध के कारण नाटो 2026 में यूक्रेन को मिली लगभग 80 अरब डॉलर की न्यूनतम सैन्य सहायता के बराबर राशि देने की प्रतिबद्धता नहीं जता सका। ऐसा बताया जा रहा है कि इटली ने यूरोपीय सहयोगी देशों के बीच रक्षा व्यय और सहायता का अधिक समान बंटवारा करने पर जोर दिया है। अमेरिका ने एक अलग कदम उठाते हुए मसौदे में शामिल उस शब्दावली को हटाने का समर्थन किया ।

पीओके में मानवाधिकारों की उड़ाई जा रही धज्जियां

संयुक्त राष्ट्र से तत्काल हस्तक्षेप की उठी मांग

» **इस्लामाबाद, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कथित तौर पर गहराते मानवाधिकार संकट पर गंभीर चिंता जताते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

यूकेपीएनपी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में आरोप लगाया कि पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ उन्नत सामरिक ड्रोन और जीवित गोलियों का इस्तेमाल किया, जिससे 24 से अधिक नागरिकों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

उन्होंने बताया कि यूकेपीएनपी और स्विस कश्मीर 'मन राइट्स कमीशन (एसकेएचआरसी) ने 26 जून को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को एक आपात अपील भेजकर शांतिपूर्ण नागरिकों पर कथित कार्रवाई का मुद्दा उठाया था। खान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी प्रशासन ने मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट

सेवाएं पूरी तरह बंद कर दी हैं। साथ ही क्षेत्र की सीमाओं को सील कर खाद्यान्न, गेहूं का आटा और जरूरी दवाओं जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति रोक दी गई है।

यूकेपीएनपी के अनुसार, स्थानीय अस्पतालों में अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती के कारण कई घायल लोग गिरफ्तारी के डर से इलाज कराने से भी बच रहे हैं।

यूकेपीएनपी और एसकेएचआरसी ने कथित न्यायेतर हत्याओं की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र फैक्ट-फाइंडिंग मिशन भेजने और पीओके में लगाए गए कथित अवैध प्रतिबंधों को तत्काल हटाने की मांग की। संगठन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस मुद्दे पर चुप नहीं रह सकता।

संगठन ने दावा किया कि 5 जून से पीओके में संचार सेवाएं बंद हैं और क्षेत्र की नाकेबंदी जारी है। इसके कारण भोजन, दवाइयों, शिशु आहार और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे लाखों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया है।

वेनेजुएला मे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,943 हुई, 10,000 से ज्यादा घायल

काराकस, यूटर्न/ 01 जुलाई । वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि हाल ही में आए दो भीषण भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,943 हो गई है। वहीं, 10,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में सरकार ने आपातकाल घोषित कर दिया है। राहत और बचाव कार्यों में सेना को भी लगाया गया है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बेघर हुए लोगों के लिए अस्थायी शिविर बनाए गए हैं और डॉक्टरों की टीमें घायलों का इलाज कर रही हैं। इसी बीच सोमवार सुबह वेनेजुएला के शहरों कराकस और तटीय शहर ला गुएरा के पास 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप आया। इस झटके के बाद लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए और खुले स्थानों पर पहुंच गए। कुछ ही दिन पहले आए दो शक्तिशाली भूकंपों से यह इलाका पहले ही भारी तबाही झेल चुका है। वेनेजुएला की सरकारी भूकंप अनुसंधान संस्था के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र कैरेबियन सागर में ला गुएरा राज्य के तट से करीब 10 किलोमीटर दूर था।

अफगानिस्तान का दावा, 'पाकिस्तान स्थित आईएसआईएस ठिकानों पर की एयरस्ट्राइक'

» **काबुल, यूटर्न/ 01 जुलाई ।**

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया कि उसकी वायुसेना ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कथित आईएसआईएस (दाएश) से जुड़े ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंगलवार रात ये हमले पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में स्थित उन ठिकानों पर किए गए, जहां से कथित तौर पर अफगानिस्तान के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की योजना बनाई जा रही थी। मंत्रालय के अनुसार, बलूचिस्तान के पिशिन जिले के सरानन क्षेत्र स्थित एक संयुक्त आईएसआईएस केंद्र को निशाना बनाया गया। बयान में कहा गया कि यह

अफगानिस्तान के नागरिकों के खिलाफ बम धमाकों और आतंकी गतिविधियों के संचालन एवं समन्वय का प्रमुख केंद्र था। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा के कंबर खेल क्षेत्र में एक अन्य दाएश केंद्र पर भी सफल हवाई हमला किया गया। वहीं, चित्राल के शाह सलीम घाटी के गरम चश्मा क्षेत्र में स्थित एक संयुक्त दाएश ठिकाने और उससे जुड़े तत्वों को भी निशाना बनाया गया। मंत्रालय का दावा है कि इन केंद्रों से नागरिकों पर हमलों और अन्य विध्वंसक गतिविधियों की योजना बनाई जा रही थी। रक्षा मंत्रालय ने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर कहा कि इन हमलों में आईएसआईएस और उसके समर्थकों को भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय का यह भी दावा है कि हमले पूरी सटीकता के साथ केवल निर्धारित सैन्य लक्ष्यों पर किए गए और इनमें किसी भी नागरिक की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। मंत्रालय ने चेतावनी देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी भी ठिकाने को भविष्य में भी निशाना बनाया जाएगा।

इस बीच पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार रात ड्रोन को मार गिराने की पुष्टि की। दावा किया कि अफगानिस्तान की सीमा से बलूचिस्तान में चार साधारण (रुडिमेंटरी) ड्रोन भेजे गए, जिन्हें पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते पहचानकर मार गिराया। सेना के जनसंपर्क विभाग (आईएसपीआर) के अनुसार, ये ड्रोन अफगान तालिबान शासन की ओर से उन आतंकी संगठनों को समर्थन और संरक्षण देने की नीति का हिस्सा थे, जो अफगानिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों से सक्रिय हैं। वहीं मंगलवार देर रात पेशावर के बाहरी क्षेत्र में भी संदिग्ध ड्रोन हमले की खबर है। प्रमुख पाकिस्तानी दैनिक डॉन के अनुसार, इस हमले में एक महिला की मौत हो गई जबकि एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *